www.ropanonline.com

RNI NO. CHHBIL/2020/79641

रोपण

1
प्रथम वर्षगांठ

वर्ष-2 अंक-1 माह- सितम्बर 2021 हिन्दी/अंग्रेजी मासिक पत्रिका राजनांदगांव से प्रकाशित पृष्ठ-36, मूल्य- 40/- रुपए

असिंचित क्षेत्रों की साथी फसल कुसुम

Benefits of Bhringraj

वैज्ञानिक विधि से फूलगोभी की खेती

www.facebook.com/ropan www.instagram.com/ropanonline www.twitter.com/@ropanonline

RNI NO.- CHHBIL/2020/79641

रोपण (मासिक)

वर्ष-02 अंक-01 माह- सितम्बर 2021 मूल्य-40/-

✷

संपादक

अमित नामदेव

✷

सह-संपादक

गौरव कुमार

✷

तकनीकी संपादक

श्री द्विवेदी प्रसाद

श्री ईश्वरी साहू

डॉ. वंदना शुक्ला

✷

कानूनी सलाहकार

रीमा चेलक

(अधिवक्ता)

मुद्रण का स्थान

सागर प्रिंटर्स

पुरानी बस्ती, अमीन पारा रायपुर छ.ग.

अंदर के पन्नों में.....

आवरण कथा	अनुक्रम
मासिक कृषि एवं पशुपालन कार्ययोजना (सितम्बर)....	3
बस्तर में पपीता उत्पादन की हो रही देश-भर में चर्चा ...	5
धान के प्रमुखकीट एवं रोग प्रबंधन.....	6
पपीता की उन्नत खेती	8
वैज्ञानिक विधि से फूलगोभी की खेती.....	11
असिंचित क्षेत्रों की साथी फसल कुसुम....	13
प्याज की बीज उत्पादन तकनीक.....	17
पोषक तत्वों का खजाना करौंदा.....	19
मिर्च की खेती से होगी लाखों की कमाईं....	20
फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोपः फसलों के रोगों के	23
गेंदे की उन्नत खेती.....	24
दुग्धोत्पादन के लिए गाय का चुनाव.....	26
बेहतर पशुपालन के लिए रखें इन बातों का ध्यान....	28
रानीखेत रोगः कारण लक्षण और बचाव के उपाय	29
Reconstruction of Self Help Group.....	30
Benefits of Bhringraj.....	32
Various packages used for packaging ...	34

-: प्रधान कार्यालय :-

सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव (छ.ग.)

ई.मेल.-ropan.info@gmail.com

फोन नं.- 9174454149

समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र राजनांदगांव होगा। मासिक रोपण में प्रकाशित लेख, सामग्री में संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है, उसमें किसी भी प्रकार का दावा या विचार मान्य नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित नामदेव द्वारा सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती अमीन पारा रायपुर से मुद्रित कर व म.नं.-755/3, वार्ड नं.-29, सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव से प्रकाशित। संपादक-अमित नामदेव। मो.नं.-9174454149

फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोपः फसलों के रोगों के पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका

- **पी.मूवेन्थन, मनोज कुमार साहू, योगिता, उत्तम सिंह, रेवेन्द्र कुमार साहू एवं एच.के.सिंह**

भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान बरौंडा, रायपुर, (छ.ग.)

फोल्डस्कोप का अग्र दृश्य　　फोल्डस्कोप का पश्च दृश्य

फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप का आविष्कार स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसिन में बायोइंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनु प्रकाश एवं टीम के द्वारा वर्ष 2014 में किया गया था। वास्तव में यह एक तरह का ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप हैं। यह वजन में बहुत हल्का लगभग 8 ग्राम का होता है, और यह एक किट में आता है, जिसमे लेंस होते हैं जो 140 गुना आवर्धन प्रदान करतें हैं। यह एक किफायती माइक्रोस्कोप है जो क्षेत्र की परिस्थितियों में काम करने के लिए बहुमुखी और पर्याप्त है। यह उपकरण (फोल्डस्कोप) बहुत ही सस्ते होने के कारण इसे आमजन बहुत आसानी से खरीद सकते है एवं स्थायी स्वामित्व प्राप्त कर सकते हैं एवं अपने उपयोग के अनुसार प्रयोग कर सकते हैं।

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी का मुख्य आजीविका कृषि है। भारत में मुख्यत: खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्जी एवं फलों का खेती बहुतायत में किया जाता है, परन्तु इसमें लगने वाले जीवाणु एवं फफूँद जनित रोगों के कारण कृषको एवं उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि इसके रोगजनकों की पहचान सटीकता से नहीं हो पाता है। भारतीय शोधकर्ताओं के द्वारा इस पर निरंतर शोध जारी है एवं अध्ययन में फोल्डस्कोप नामक इस बेहद सस्ते माइक्रोस्कोप को बहुत ही कारगर पाया गया है एवं निरंतर शोध जारी है। शोधकर्ताओं का दावा है कि इसके माध्यम से प्रक्षेत्र स्तर पर ही फसलों में लगने वाले बहुत से रोगो की पहचान आसानी से किया जा सकता है एवं साथ ही रोग नियंत्रण के त्वरित एवं सरलता से समाधान भी प्राप्त किया जा सकता है।

मेबाइल फोन आधारित फोल्डस्कोप के माध्यम से पादप रोगजनकों का पहचान

रोगजनकों के पहचान में मददगार

फसलों के रोगजनकों में मुख्य कारक फफुँद एवं जीवाणु है। फफुँद जनित रोगों के द्वारा कृषकों एवं उत्पादकों को सर्वाधिक नुकसान होता है एवं साथ ही फोल्डस्कोप के माध्यम से जीवाणु के तुलना में फफुँद का पहचान शीघ्र एवं आसानी से प्राप्त होता है। इसके लिए संक्रमित रोग जनित पौधों के नमूने का स्लाइड तैयार करके फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप में परीक्षण किया जाता है। फफुँद जनित रोगों में विशेषकर लीफ ब्लाइ, लीफ स्पाट, भभूतिया रोग, डाऊनी मिन्डयू एवं पर्णीय रोगों के परीक्षण एवं पहचान आसानी से किया जा सकता है।

मोबाइल फोन से संबद्ध

फोल्डस्कोप एक तरह का फील्ड माइक्रोस्कोप है। शोध कार्यों में उपयोग होने वाले पारंपरिक अनुसंधान सूक्ष्मदर्शी की तरह इसे आप्टिकल गुणवत्ता देने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। फोल्डस्कोप में लेंस स्थापित करते हैं, जिसके माध्यम से किसी रोगजनक को 140 गुना तक आवर्धित करने की क्षमता होता है। मोबाइल फोन के कैमरे में चुम्बकीय युग्मक को गोंद या टेप के माध्यम से संलग्न करके फोल्डस्कोप पर स्थापित किया जाता है। नमूने के चित्र को मोबाइल के माध्यम से जूम फंक्शन का उपयोग करके बड़ा कर सकते हैं एवं चित्र को मोबाइल में संग्रहीत भी कर सकते हैं।

दूरस्थ अंचलो तक पहुँच एवं रोग नियंत्रण में योगदान

शोधकर्ताओं के अनुसार यह बहुत सस्ती एवं साथ ही पोर्टेबल तकनीक है जिसे दूरस्थ इलाकों एवं गांवो तक आसानी से पहुँचाया जा सकता है, जिसका लाभ स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष प्राप्त हो सकता है। उत्पादन की मात्रा और गुणवत्ता कई कारकों पर निर्भर करता है। कवक (फफुँद) रोगों के कारण होने वाले फसल नुकसान भी उनमें से एक है। बीमारियों के रोकथाम के लिए रोगों एवं रोगजनकों के पहचान के साथ-साथ रोगजनकों को पृथक करना भी अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच के फलस्वरूप आगे यह फसलों के रोग नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान स्थापित करेगा।

सितम्बर 2021

रोपण मासिक कृषि पत्रिका

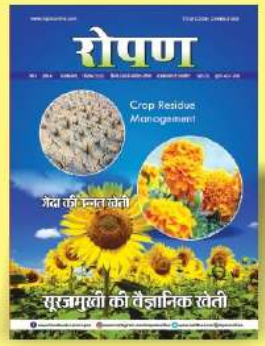

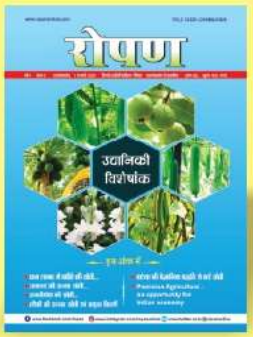

कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास पर आधारित मासिक पत्रिका

रोपण पत्रिका की सदस्यता शुल्क

☐ 1 वर्ष - रु. 500/- ☐ 2 वर्ष - रु. 900/- ☐ 3 वर्ष - रु. 1400/-

बैंक के माध्यम से राशि भेजने के लिए :

A/c Name - ROPAN | Bank of Baroda
A/c No. 62530200001589
IFSC - BARB0VJRAJN (B A R B Zero V J R A J N)

: व्यक्तिगत सदस्यता फार्म :

नाम .....

पूर्ण पता .....

.....पोस्ट.....तहसील.....

जिला.....राज्य.....पिन कोड.....

मो.नं. .....ई-मेल.....

नोट : सदस्यता राशि रोपण के नाम से खाता क्रं. में देय मान्य होगा। सुविधा के लिए ट्रांजेक्शन का विवरण मो. नं. 9174454149 पर व्हाट्सअप करें।

ROPAN

सम्माननीय सदस्यों से अनुरोधः

UPI - 9174454149

- समस्त पत्रिकाएं साधारण डाक द्वारा भेजी जाएगी।
- सदस्यों को प्रति न प्राप्त होने की स्थिति में कार्यालय में सूचित करके 20 दिवस के भीतर कार्यालय से संपर्क करें अपनी प्रति प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद दावे पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ताक्षर

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 । मो.नं. 9174454149

स्थापना दिवस

सफलता पूर्वक

प्रथम वर्षगांठ

रोपण मासिक कृषि पत्रिका के 1 वर्ष के
सफल संचालन एवं प्रथम वर्षगांठ पर सभी पाठकों,
कर्मचारियों, वैज्ञानिकगण एवं विज्ञापनदाताओं
को विशेष आभार एवं शुभकामनाएं...

रोपण

सदस्यता, लेख एवं विज्ञापन
के लिए संपर्क करें

अमित नामदेव
संपादक - रोपण
संपर्क : 9174454149, 8103607021
Email : ropan.info@gmail.com

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 I www.ropanonline.com